शैक्षिक सत्र–2026–27
विषय–रंजन कला
कक्षा–12

- इसमें एक प्रश्न पत्र तीन घंटे का 100 अंकों का होगा। न्यूनतम् उत्तीर्णांक 33 अंक होगा।
- सभी खण्ड के प्रश्न करने अनिवार्य है।

खण्ड (क) **10** अंक

इकाई–(1)

इस खण्ड में मुगल कला शैली , राजस्थानी शैली ,पहाड़ी शैली ,पुनर्जागरण काल , पटना कलम , बंगाल स्कूल तथा समसामयिक कला एवं कला के मूल तत्वों पर आधारित प्रश्न होंगें ।
(इसमें 10 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।)

खण्ड (ख) **60** अंक

इकाई (2)

(मानव सिर की प्रतिमा का एकवर्णीय चित्रण)

मानव सिर की प्रतिमा –

बालक ,वृद्ध आदि जो प्लास्टर ऑफ पेरिस या मिट्टी की बनी हो। प्रतिमा को सम्मुख रखकर पेस्टल , आयल पेस्टल , क्रेयॉन या इंक से चित्रण करना होगा । छाया, प्रकाश एवं प्रतिच्छाया प्रदर्शित करनी होगी । ड्राइंग शीट पर चित्र की लम्बाई 25 से0मी0 से कम न हो।

क) मानव चेहरे का अनुपात एवं भाव के अनुसार अभिव्यंजना	25 अंक
ख) प्रकाश , छाया एवं प्रतिच्छाया (त्रिआयामी)का सही प्रयोग	25 अंक
ग) प्रतिमा के पीछे लगे पर्दे पर छाया , प्राकश एवं प्रतिच्छाया को दर्शाना	10 अंक

अथवा

भारतीय चित्रकारी –

भारत के विशेष प्राचीन कलाकारों के चित्रों की सुगम सपाट प्रतिकृति तैयार करना । एक सरल अनुकृति जिसमें मानव व् पशु–पक्षी रंग व् रेखाओं द्वारा चित्रित करना। नाप 20 x 30 से0मी0। प्रश्न–पत्र में चित्र कम से कम 15 से0मी0 लम्बाई में दिया जाए।

क) सटीक रेखांकन	20 अंक
ख) अनुरूपता	10 अंक
ग) प्रभावी रंग संयोजन एवं सामंजस्य	20 अंक
घ) सम्पूर्ण अभिव्यक्ति एवं फिनिशिंग	10 अंक

खण्ड – (ग) **30** अंक

इकाई–(3)

(चित्र संयोजन)

रंगों द्वारा काल्पनिक चित्र संयोजन–

ग्रामीण घटनाओं का उन्नत भाव प्रकाशन जैसे चरवाहा , ग्रामीण परिदृश्य के साथ हलवाहा किसान , नगर गली में फेरीवाला , भाजी बेचने वाला, दैनिक जीवन , खेल, उत्सव आदि। इसमें मानव चित्रण को प्रमुखता देते हुए इसकी पृष्ठभूमि में नदी , वृक्ष , झोंपड़ी , मकान इत्यादि भी सम्मिलित किये जाएँ । चित्र दो या अधिक रंगों के साथ स्वतंत्र शैली में सपाट रंग व् रेखाओं द्वारा प्रकाशित किये जाएँ । चित्र को आयल पेस्टल या क्रेयॉन रंगों द्वारा पूर्ण करें।

चित्र संयोजन में निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखिये–

क) लयात्मक संयोजन	5अंक
ख) कलात्मक संयोजन	5 अंक
ग) रंग योजना	15 अंक
घ) सामान्य प्रभाव	5 अंक

पुस्तकें– कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें ।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

1–प्रथम यूनिट टेस्ट (बहुविकल्पीय MCQ आधारित) (10 अंक ग्रीष्मावकाश गृह कार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)		जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
2–द्वितीय यूनिट टेस्ट	(चित्रात्मक)	अगस्त अंतिम सप्ताह	20 अंक
3–तृतीय यूनिट टेस्ट	(बहुविकल्पीय MCQ आधारित)	नवम्बर अंतिम सप्ताह	20 अंक
4–चतुर्थ यूनिट टेस्ट	(चित्रात्मक)	दिसम्बर अंतिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।